स्त्री-पुरुष मस्तिष्क की बनावट में फर्क है

संध्या रायचौधरी

अंग्रेज़ी में एक कहावत है कि 'मैन आर प्रॉम मार्स, वीमेन आर फ्रॉम वीनस' यानी पुरुष मंगल ग्रह और महिलाएं शुक्र ग्रह से आई हैं। मस्तिष्क पर हुए एक अध्ययन से लगता है कि एक मायने में यह सही हो सकता है।

अमरीका के फिलाडेल्फिया स्थित पेनसिल्वेनिया विश्वविद्यालय के एक ताज़ा अध्ययन में पाया गया है कि पुरुषों और महिलाओं के मस्तिष्क की बनावट इस कदर भिन्न है कि लगता है कि दोनों अलग-अलग ग्रह की प्रजातियां हैं।

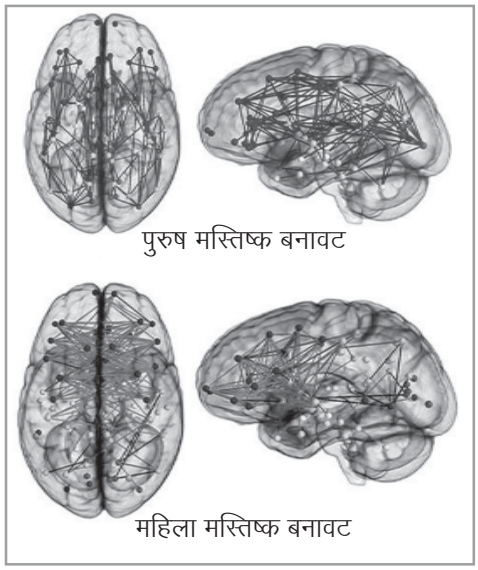
पुरुष मस्तिष्क बनावट

महिला मस्तिष्क बनावट

पुरुषों के मस्तिष्क की बनावट में आगे और पीछे वाले हिस्सों को जोड़ने के लिए ज़्यादा तंत्रिकाएं होती हैं जबकि महिलाओं के मस्तिष्क में बाएं व दाएं हिस्से को जोड़ने वाली तंत्रिकाएं ज़्यादा होती हैं। पुरुषों में जहां तंत्रिका तंतु अपेक्षाकृत ज़्यादा होते हैं वहीं महिलाओं में ग्रे मैटर ज़्यादा होता है।

पेनसिल्वेनिया विश्वविद्यालय से जुड़े अमरीकी वैज्ञानिकों के अनुसार मस्तिष्क संरचना की बनावट में इस भिन्नता से पुरुषों और महिलाओं के अलग-अलग व्यवहार एवं कौशल को समझा जा सकता है। इस शोध से सम्बद्ध डॉ. रागिनी वर्मा का कहना है कि पुरुषों के मस्तिष्क की बनावट संवेदना और कार्य में सामंजस्य बैठाने के लिए बेहतर है।

महिलाओं का मस्तिष्क विचार प्रक्रिया, विश्लेषण और अंतरदृष्टि के लिहाज़ से 'दिल और दिमाग' के एकीकृत उपयोग के लिए ज़्यादा उपयुक्त है। पुरुषों में महिलाओं की अपेक्षा संचालन और स्थान-विषयक क्षमता ज़्यादा होती है।

उदाहरण के लिए एक शल्य चिकित्सक को हाथों से बारीक सर्जरी करने के लिए बेहतर संचालन क्षमता की ज़रूरत होती है। त्रिआयामी वस्तुओं की पहचान के लिए ज़िम्मेदार स्थान-विषयक क्षमता नक्शों को पढ़ने और कार पार्किंग में मदद करती है। दूसरी ओर, महिलाओं में बेहतर याददाश्त और सामाजिक सूचनाओं को व्यवस्थित करने की बेहतर दक्षता दिखती है।

महिलाएं पुरुषों की अपेक्षा ज़्यादा दक्षता से अन्य लोगों के इरादे भांप सकती हैं और बारीक मनोवैज्ञानिक छल के प्रति ज़्यादा संवेदनशील होती हैं।

प्रोसीडिंग ऑफ दी नेशनल एकेडमी ऑफ साइन्सेज़ में प्रकाशित यह शोध 8 से 22 वर्ष उम्र के करीब 1000 बच्चों और युवाओं के ब्रैन स्कैन के अध्ययन पर आधारित है।

वैज्ञानिकों ने एक विशेष प्रकार की एमआरआई तकनीक की मदद से मस्तिष्क के अंदर न्यूरॉन्स की संरचनागत बनावट की जांच की। इस नई तकनीक का नाम डीटीआई (डिफ्यूज़िंग टेसर इमेजिंग) है। अध्ययन से पता चला कि मनुष्य के मस्तिष्क की संरचनागत बनावट में बुनियादी लैंगिक भेद हैं।

शोधकर्ताओं के अनुसार, एकाग्रता, शब्द एवं चेहरे याद रखने और सामाजिक बंधनों को याद रखने के मामले में महिलाओं ने पुरुषों को काफी पीछे छोड़ दिया। पुरुष स्थान-विषयक क्षमताओं, सामंजस्य के मामले में बेहतर दिखे।

13 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की अपेक्षा 14 से 17 वर्ष की उम्र में ज़्यादा लैंगिक भेद देखे गए। ***(स्रोत फीचर्स)***